जन चेतना मंच, राजस्थान द्वारा स्वर्गीय सुन्दर सिंह भण्डारी जन्म शताब्दी वर्ष के उद्घाटन एवं स्मृति व्याख्यानमाला समारोह में सर्वप्रथम मैं देश के समर्पण एवं त्याग की प्रतिमूर्ति स्वर्गीय भण्डारी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ।

स्वर्गीय भण्डारी जी ने अविवाहित रह कर अपना पूरा जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित किया। भण्डारी जी के सादगीपूर्ण जीवन ने आम आदमी को अत्यन्त प्रभावित किया। स्वर्गीय भण्डारी जी नेक दिल इंसान थे। उनमें इंसानियत भरी हुई थी। आज के इस समय में इंसानियत वाले लोगों की आवश्यकता है। देश की भावी पीढी को आज उनके समर्पण एवं त्याग से अवगत कराने की आवश्यकता है। लोगों की मदद करने में वे लगे रहते थे। ईमानदारी और कर्त्तव्यनिष्ठा उनके जीवन से सीखी जा सकती है।

जन चेतना मंच का मुख्य उद्देश्य विचार प्रबोधन है। मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं के अनुसार सकारात्मक सोच का वातावरण बनाना होगा। आज समाज में समय की यही मांग है। आम जन और जन चेतना मंच को इसमें प्रभावी भूमिका निभानी होगी।

आज कोरोना वैश्विक महामारी के समय में बीमारी से अधिक लोगों की नकारात्मक भावना मानव जीवन को कष्टदायी बना रही है। ऐसी स्थिति में हम सभी को एक दूसरे की मदद करनी होगी। समाज में व्याप्त नकारात्मक भाव को दूर करना होगा। सकारात्मक वातावरण बनाना लोगों के मन से भय को दूर करना होगा। कोरोना से बचाव के साधन हमें इस्तेमाल करने होंगे। सावधानियों को अपनाना होगा। इसी से हम स्वस्थ बने रह सकते है।

जन चेतना मंच ने त्याग एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति स्व. भण्डारी जी की स्मृति में व्याख्यानमालाएं आयोजित की है। प्रबोधन के क्षेत्र में यह प्रयास आत्म संतुष्टि का विषय है। इसके लिए मैं मंच से जुडे हुए सभी लोगों को साधुवाद देता हूं। आज की व्याख्यानमाला का विषय विकास की भारतीय संकल्पना समसामयिक और वर्तमान के लिए प्रासंगिक है।

आत्मनिर्भर भारत वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समीचीन हैं। आत्म निर्भर भारत एवं आर्थिक दृष्टिकोण से सशक्त भारत की कल्पना को साकार करने के लिए सभी को प्रयास करने होंगे। आज के इस समय में युवाओं में आत्मविश्वास पैदा करना होगा।

आत्मविश्वास की कमी से युवा नौकरी के लिए भटक रहा है। जबकि हमारे पास गांव में ही धन्धे आरम्भ करने के लिए संसाधन है। मेहनत हमें करनी होगी। अपने गांव में ही रहकर हम अपना जीवनयापन कर सकते हैं, साथ ही देश की सेवा भी कर सकते हैं। देश में युवाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए देश व प्रदेश में अनेक योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। इन योजनाओं की जानकारी गांव के लोगों को देनी होगी। ग्रामीणों के साथ हमें लगना होगा तब ही वे स्वरोजगार आरम्भ करने की हिम्मत जुटा पायेंगे।

आवश्यकता है लोगों को योजनाओं की जानकारी कराने की ताकि युवा योजनाओं से लाभान्वित हो सके। अब युवाओं को सेवा प्रदाता बनाना होगा। युवाओं को कौशल में दक्ष करना ही होगा। इससे युवा कम पूंजी में अपना व्यवसाय आरम्भ कर सकेगा।

प्राचीन भारत की ओर हम निगाह करते हैं तो हम पाते हैं कि भारत का सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र अत्यन्त सक्षम व सबल था, लेकिन विदेशी आक्रान्ताओं के कारण उस पर गहरी चोट पहुॅची। आज आजाद भारत को समर्थ भारत, सशक्त भारत में स्थापित करना है।

ऐसा करने के लिए हमारी नीतिया, भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं पर आधारित होना नितान्त आवश्यक है। इन नीतियों से आर्थिक तंत्र मजबूत होगा तो बेरोजगारी की समस्या का भी समाधान हो सकेगा। इनके आधार पर ही विकास की हमारी संकल्पना को सही दिशा में साकार किया जा सकेगा।

जन चेतना मंच ने आज विचार प्रबोधन के इस आयोजन के माध्यम से अति महत्वपूर्ण विषय पर विकास की अवधारणा को नई दिशा प्रदान करने का प्रयास किया है। मंच को अपनी व्याख्यानमालाओं में युवा पीढी को जोडना चाहिए। आत्मनिर्भर भारत में भूमिका युवाओं की ही होगी।

हमारे प्रधानमंत्री जी चाहते हैं कि कोरोना से बदले हालातों से हमें सीख लेनी होगी। युवाओं की मानसिकता को बदलना होगा। युवाओं के दिल और दिमाग में स्थानीय पर बल देना होगा।

याद करो उस समय को जिससे अभी भी हम उभर नही पाये हैं, जब हमारे ही भाई–बहिन कोरोना के लॉकडाउन में हजारों किलोमीटर से पैदल चलकर अपने गांव आये थे। उनके हालातों का दर्द हम सभी को अभी महसूस है। इसलिए अब गांव में ही हमें अपना स्टार्टअप लगाना होगा। गांव में ही

उत्पाद तैयार करना होगा। अब लोकल के लिए वोकल होना ही होगा। इन्हीं लोकल उत्पादों का ग्लोबल बनाने के लिए मिलजुल कर सभी को प्रयास करने होंगे।

हमारे गांवों में प्रतिभाओं की कमी नही है। आवश्यकता है इन प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की ताकि यह प्रतिभाएं विश्व में गांव, जिले, राज्य और देश का नाम रोशन कर सकें। इन सभी प्रयासों से गांवों से शहरों की होने वाला पलायन पर लगाम लगेगी साथ ही देश का भविष्य हमारा युवा नौकरी करने वाला नही बल्कि नौकरी देने वाला होगा।

मंच के पदाधिकारीगण से मेरा आग्रह है कि आत्मनिर्भर भारत के लिए समाज में वातावरण का निर्माण करना होगा। युवाओं को प्रेरित करना होगा। युवाओं को स्टार्टअप आरम्भ करने में आने वाली समस्याओं का निवारण करना होगा। इससे युवा उत्साहित होकर अपना कार्य आरम्भ कर सकेगा।

युवाओं को चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए तैयार करना होगा। इससे युवाओं में हिम्मत आयेगी। वे छोटी मोटी कठिनाइयों से घबरायेंगे नही और ना ही अवसाद में आयेंगे। इससे युवा सशक्त भारत का सशक्त युवा बन कर दुनिया के सामने मिसाल कायम कर सकेगा।

मैं जन चेतना मंच के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आशा करता हूँ कि मंच विचार प्रबोधन के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित करेगा। धन्यवाद । जय हिन्द।